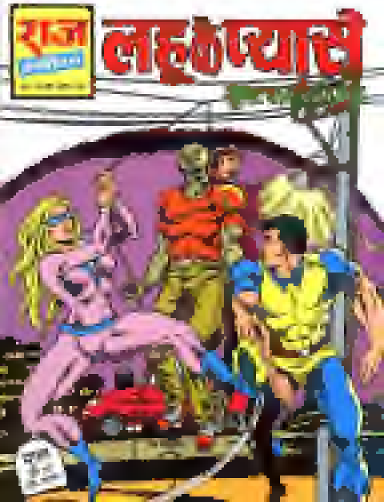
राज

सुपर कमांडो ध्रुव

लहू के प्यासे

कथा एवं चित्र - अनुपम सिन्हा

संपादन - मनीष चन्द्र गुप्त

डैम इट! हम जीप से घोड़ों का पीछा नहीं कर सकते?
रेत पर? नहीं, सर!
तो फिर हमें गोली चलाने पर मजबूर होना पड़ेगा।
मैं इस अभियान पर खुद इसलिए नहीं आया था, कि तस्करों को अपनी आंखों के सामने से भागता देखूं! गोली चलाओ।
जीता, वह हमारी रेंज में आ गया है।
हीही! हमको इसी मौके का तो इंतजार था।
रिमोट कंट्रोल के बटन पर एक उंगली दबी -
और जीप के ठीक नीचे की जमीन फट पड़ी।
धड़ाममममम
कमिश्नर साहब घायल हो कर रेत पर आ गिरे-
लेकिन घायल अवस्था में भी उनका पिस्तौल वाला हाथ उठा।
और दो गोलियां दगीं। निशाना अचूक था।
धांय धांय
पल भर में दो और लाशें रेतीली जमीन पर आ गिरीं।

देखते-देखते घोड़े की टापों और जीप के इंजन की आवाज से गूंज रहे रेगिस्तान में मरघट सी खामोशी छा गई।
आ ह हह!
सिर्फ एक आवाज इस खामोशी को तोड़ रही थी। कमिश्नर साहब के कराहने की आवाज!
लेकिन सलमेर के पास घटे इस हादसे का असर वहां से सैकड़ों कि॰मी॰ दूर स्थित राजनगर में होगा, यह किसी ने नहीं सोचा था।
रजनी, जल्दी से मेरा सूटकेस पैक कर। मुझे तीन घंटे में सलमेर की फ़्लाइट पकड़नी है।
सलमेर, यानि राजस्थान? पर ऐसी क्या आफत आ गई है?
अभी-अभी गृह मंत्रालय से 'स्पेशल मैसेंजर' आया है! मुझे तुरंत वहां जाकर पुलिस कमिश्नर का चार्ज लेना है।
ध्रुव भइया के वापस आने तक भी आप नहीं रुक सकते, पापा?
नहीं, बेटे! और फिर, ध्रुव
वापस आएगा?
मेरे और ध्रुव के पीछे मैं मम्मी का ख्याल रखना, श्वेता!
विदाऊट फेल, पापा!
बेस्ट ऑफ लक, पापा!
अपना ख्याल रखिएगा जी!
तुम फ़िक्र मत करो! बाय, श्वेता!
इस वक्त श्वेता और रजनी में से कोई भी यह नहीं जानता था, कि वे आई॰ जी॰ राजन को मौत के मुंह में भेज रहे हैं।
और उनको यह आभास तीन दिन बाद तक भी नहीं हुआ था। और तब -
मम्मी! भइया आ गया।

ओह! कैसा है मेरा बेटा? तीन दिनों में ही दुबला हो गया तू तो।
क्यों झूठ बोलती हो, मम्मी? भइया तो खा खाकर बरगद जैसा फूल गया है।
तो तू कौन सी मेरे आने से सूखकर कांटा हो गई है?
कांटा हों मेरे दुश्मन!
तीन दिनों तक तुम्हारा खाना भी मम्मी मुझे ही खिलाती थीं न! अच्छा, अब दिखाओ मेरे लिए क्या लाए हो भोपाल से?
जल्दी दिखाओ, जल्दी!
?
अरे! उसको जरा आराम तो कर लेने दे।
तू तो भूत की तरह उसके पीछे पड़ गई।
म...मैं एक मिनट में आया, मम्मी।
!
पीटर का चेहरा देखकर ध्रुव तुरंत समझ गया कि मामला गड़बड़ है।
वेलकम होम, कैप्टेन।
क्या बात है, पीटर? तुम इतने परेशान क्यों लग रहे हो?
आज सुबह ही सी॰बी॰आई॰ का सलमेर से, एक मैसेज कमांडो हेडक्वार्टर में आया है। ...
कमिश्नर राजन लापता हैं।
पापा लापता हैं? सलमेर से? लेकिन वे सलमेर गए ही क्यों?
सलमेर में तस्करों का आतंक बहुत बढ़ गया है! पांच दिन पहले उनसे एक मुठभेड़ में वहां के पुलिस कमिश्नर बुरी तरह जख्मी हो गए।
तस्करों के डर से और कोई उस इलाके का चार्ज नहीं ले रहा था।
तो आई॰जी॰ सर ने यह बीड़ा उठाने का फैसला कर लिया! इसीलिए वे सलमेर गए थे।
और कल रात वे रहस्यमय तरीके से लापता हो गए।

मम्मी, पापा सलमेर गए हैं, और आपने मुझे बताया ही नहीं। मैं उनसे मिलने जाऊंगा! अभी।
जाना क्यों है? फोन से बात कर ले! अब थोड़े दिन मेरे पास भी रहेगा या नहीं?
मैं उनके लिए भोपाल से स्पेशल सिगार लाया हूं, मम्मी!
वे सब खराब हो जाएंगे!
तो फिर जाओ! सब को पापा का ही ख्याल है! मम्मी की तो कोई पूछता ही नहीं है!
पूछता क्यों नहीं? पापा सबसे पहले तुमको ही पूछते हैं!
चल हट, शैतान! अच्छा जा! पर जाना और लौटती फ्लाइट से वापस आ जाना!
पापा के पास जा रहे हो न, भइया? मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी!
त.. तू क्यों? तू व..वहां क्या करेगी?
क्या करूंगी? अरे वही जो तुम करोगे! पापा से मिलूंगी और बातें करूंगी! और वो भी बिना हकलाए!
हे भगवान! अब इस मुसीबत को कैसे टालूं?
हां हां! तू घर में बैठे-बैठे बोर हो जाती होगी! तू ऐसा कर, अपनी दोस्तों के साथ पिकनिक प्रोग्राम बना ले!
पिकनिक प्रोग्राम! खंडाला का!?
अरे, जहन्नुम का बना लेना! लेकिन मम्मी तब तक अकेली रहेंगी क्या?
अपनी 'कमांडो फोर्स' से पहरा देने को कह जाना!
ठीक है, ठीक है! दोनों जाओ! श्वेता भी बहुत दिनों से कहीं बाहर नहीं गई है!
मुझे तो वैसे भी अकेले रहने की आदत पड़ चुकी है!
थैंक्यू, मम्मी! निकालो हजार रुपए!
सॉरी, मम्मी! लेकिन मेरे पास और कोई रास्ता भी तो नहीं है!

और अगले दिन सुबह- जब ध्रुव सलमेर के एयरपोर्ट से बाहर निकला, तो उसकी हर हरकत पर तेज निगाहें गड़ी थीं।
टैक्सी!
देखा, माधो। मैं कहता था न कि नए कमिश्नर पर हाथ मत डाल!
क्योंकि उसके बेटे का नाम सुपर कमांडो ध्रुव है!
यह मैं भी जानता हूं और महाराज भी!
अरे, इसी बला को वश में लाने के लिए ही महाराज ने अब तक कमिश्नर को जिंदा रखा है!
तू उतना ही कर, जितना तुझसे कहा गया है!
चल, वह आ रहा है!
ध्रुव इस बात से बेखबर था, और उसका पीछा शुरू हो चुका था।
महाराज, x010 हियर! शेर पिंजरे में आ चुका है!
इस वक्त वह सवाई रोड पर दक्षिण की तरफ जा रहा है! शायद लोमड़ियों की मांद में!
'लोमड़ियों की मांद' यानि पुलिस हेडक्वार्टर!
मैसेज मिल गया! पीछा जारी रखो!
ट्रांसमीटर पर एक दूसरा बटन दबा -
दूसरे छोर पर मैसेज लेने वाला तैयार बैठा था।
तुम्हारा शिकार इस शहर में आ चुका है, कैक्टस! मुझे पुलिस की उतनी फिक्र नहीं है जितनी इस छोकरे की!
आप इसकी चिंता सेवक पर छोड़ दें, महाराज!...
...कैक्टस पिछले 72 मिशनों में कभी नाकामयाब नहीं रहा!
दूसरी तरफ-
आप पुलिस हेडक्वार्टर क्यों जा रहे हैं, साहब? आप पुलिस वाले तो लगते नहीं!
अपने काम से मतलब रखो, ड्राइवर!...
और नजरें सड़क पर रखो! वर्ना एक्सीडेंट...

ध्रुव की जबान पर मानो सरस्वती विराज रही थी।
धड़ाक
TAXI
मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि टैक्सी देख कर चलाओ! कौन है यह?
अरे छोड़िए साहब! यह तो भीखामल है! न जाने कितने सालों से भीख मांग रहा है!
रोज किसी न किसी गाड़ी से टकराता रहता है!
पर मरा आज तक नहीं!
शटअप! अपनी गलती को इस बेचारे के सिर पर क्यों मढ़ रहे हो?
आप ठीक तो हैं न, बाबा?
सहानुभूति के दो बोल सुनते ही बूढ़े भिखारी की आंखें डबडबा आईं।
रहने दो, बेटा! ऐसी चोटें और गालियां खाना तो अब मेरी जिंदगी का हिस्सा बन गया है!
मैं भी कभी दसों भिखारियों को दान दिया करता था।
बहुत पैसा था मेरे पास!
लेकिन जबसे मेरा इकलौता बेटा नशे की लत में पड़कर अपनी जान गंवा बैठा; तबसे मेरा कारोबार की तरफ से ध्यान हट गया!
मेरा कारोबार धीरे-धीरे चौपट होने लगा!
और आखिरकार, नौबत भीख मांगने तक आ गई!
पर तुम जाओ, बेटा! मेरे पीछे तुम अपना समय क्यों नष्ट करते हो?
साहब को तो सामने ही जाना है, बुड्ढे! तू हटे तो ये जाएं!
पुलिस-हेडक्वार्टर यही है, साहब!

तभी-
लाओ, साबजी, तुम्हारा बकसा मैं उठाकर पहुंचा दूं! दो रुपए देना!
तुम कौन हो?
गरीब हूं, साबजी! पेट पालने के लिए बोझा उठाने का काम करती हूं!
गरीब को दो पैसे कमाने का मौका दो न, साब!
नहीं, नहीं! अपना सामान मैं खुद ही उठाता हूं!
लेकिन ध्रुव यह नहीं देख पाया कि इसबीच एक छोटा सा ट्रांसमीटर उसकी बेल्ट पर बड़ी सफाई से चिपका दिया गया था।
जा भाग! बड़ा आया साब का बच्चा! हुह!
ध्रुव कुछ परेशान नजरों से उसे देखता हुआ पुलिस हैडक्वार्टर की सीढ़ियां चढ़ने लगा।
घूंघट होने के कारण वह श्वेता का मुस्कराता हुआ चेहरा नहीं देख पाया था।
और दस मिनट बाद ध्रुव डिप्टी-कमिश्नर पुलिस के सामने बैठा था।
बड़े शर्म के साथ कहना पड़ता है कि अब तक हम राजन साहब का कोई पता नहीं लगा पाए!
वे परसों अपनी ड्यूटी के पहले दिन ही कच्छ के रेगिस्तान में गश्त पर गए थे!
कल सुबह तक जब वे वापस नहीं आए तो मैंने उनकी खोज शुरू करवाई।
हमें उनके साथ गए छः जवानों की लाशें और जीप के चिथड़े मिले!
कमिश्नर साहब का कोई पता नहीं चला!
मैंने तुरंत सारी सीमाएं सील करा दीं! मैं *पक्का* तो नहीं कह सकता, लेकिन हमारी सारी छानबीन यही कहती है कि कमिश्नर साहब *जिंदा हैं* और हमारी सीमा के अंदर ही हैं!
जीप के चिथड़े कैसे हुए?
किसी विस्फोट से?

हां! स्मगलरों ने पूरे रेगिस्तान में बारूदी सुरंगें बिछाई हुई हैं! वे हमारे जवानों को जानबूझ कर पीछा कराते-कराते उन स्थानों तक ले जाते हैं! ...
और फिर रिमोट-कंट्रोल से उन सुरंगों को उड़ा देते हैं!
आई सी!
वैसे हम जलमेर की सीमा से लगे रेगिस्तान के चित्र समय-समय पर हेलीकॉप्टर से खींचते रहते हैं! ...
...ताकि किसी भी अप्राकृतिक बदलाव का तुरंत पता लगाया जा सके!
वाह! सर, क्या मैं उन चित्रों को देख सकता हूं?
क्यों नहीं? देखो, ये चित्र हमने पिछले एक साल के दौरान अलग-अलग समय पर खींचे हैं!
ध्रुव एक-एक चित्र देखता जा रहा था, और उसकी आंखों की चमक बढ़ती जा रही थी।
यह लड़का इन चित्रों में क्या देखकर इतना खुश हो रहा है? रेत!?
थैंक्यू, सर! अब अगर आप इजाजत दें तो मैं अपनी छानबीन शुरू करना चाहता हूं!
इजाजत कैसी?
स्मगलरों के इस खतरनाक गैंग को पकड़ने के लिए तो हम हर मदद का स्वागत करते हैं!
और इसके लिए मैं तुमको अपना सब से काबिल मुखबिर देता हूं!
जो इस पूरे इलाके के हर आदमी को अच्छी तरह से जानता है!
कौन है वह, सर?

वह!
भीखामल!? लेकिन, सर, यह तो भिखारी है!
नहीं, ध्रुव! यह इस इलाके का शायद सबसे ज्यादा पैसेवाला व्यक्ति है! हेरोइन के नशे ने इसके इकलौते बेटे की जान ले ली!
तभी से यह तस्करों का जानी दुश्मन बन गया।
इसने अपनी सारी संपत्ति एक ट्रस्ट के नाम करके खुद एक भिखारी का रूप धर लिया!
और इसी रूप के कारण यह हमारा सबसे कामयाब मुखबिर है! इसको भिखारी समझ कर कोई भी तस्कर इसपर शक नहीं करता!
अब तक यह लगभग दो करोड़ रुपए की हेरोइन पकड़वा चुका है!
यह तुम्हारी पूरी मदद करेगा!
और कुछ भी पता लगते ही हमें तुरंत खबर करना!
अपना सूटकेस पुलिस हेडक्वार्टर में ही छोड़कर ध्रुव जब बाहर निकला, तो उसके दिमाग में पूरी योजना बन चुकी थी।
जीता, वह बाहर आ रहा है!...
अरे, बेटा, तुम तो वही हो न, जिसने अभी मुझसे बातें की थीं!
हां, बाबा! मैं वही हूं!
तो मुझे जरा सड़क पार करा दे, बेटा!
जरूर! आइए, बाबा!
भीखामल दबी आवाज में फुसफुसाया -
डिप्टी कमिश्नर साहब के इशारे से ही मैं समझ गया था कि तुम हमारे ही आदमी हो!
न जाने क्यों, तुमको देखकर लग रहा है कि अब मैं अपने बेटे की मौत का बदला ले सकूंगा!

लेकिन हमको सावधानी से मिलना होगा! हमारी हर हरकत पर नजर रखी जा रही है!
यह लौंडा क्या कर रहा है?
भिखारी को सड़क पार करा रहा है!
भले दिल का लड़का है!
हम पर कौन नजर रखे हुए हैं? बताओ तो मैं उनसे ही कुछ जानकारी उगलवा लूं!
क्या हुआ?
व..वह सामने हरी कमीज पहने, और काला चश्मा लगाए जो आदमी खड़ा है, वह कैक्टस है! इस गैंग का सबसे खतरनाक हत्यारा!
लेकिन यह यहां पर क्यों आया है?
मैं चलता हूं!
सड़क पार कराने के लिए धन्यवाद, बेटा!
यह तो हर अच्छे नागरिक का फर्ज है बाबा!
मैं चलता हूं!
ध्रुव तेजी से उस तरफ बढ़ा जहां उसने दो क्षण पहले कैक्टस को खड़े देखा था।
यह इधर क्या करने जा रहा है?
पता नहीं! लेकिन वह हमारी नजरों से ओझल नहीं होना...

व्हाहए !!?
दोनों गुंडों को यह आभास नहीं था कि खतरा सिर पर आ चुका है।
त...कौन हो तुम?
क...कुछ काम है हमसे?
चंडिका का अजीब रूप देखकर, न जाने क्यों, दोनों गुंडे भय से सिहर उठे। पर जवाब नहीं मिला।
और फिर तीना और माधो पर कहर टूट पड़ा।
लड़ाई शुरू होने से पहले ही...
...खत्म हो गई।
ब...बस! मुझे और मत मारना।
मुझे पता नहीं था कि घूंसे इतनी जोर से भी लगते हैं!
तुमने पूछा था इसलिए बता देती हूं! मेरा नाम चंडिका है! और अगर तुमने पुलिस के सामने अपना अपराध न कबूला तो मैं तुमको फिर ढूंढ निकालूंगी!...
...और उस बार अपने नाम का मतलब भी समझा दूंगी!

दूसरी तरफ - ध्रुव भौंचक्का था।
पूरे पांच मिनट से उस कैक्टस को ढूंढ रहा हूं!
अगर इसके चक्कर में वे दोनों भी भाग निकले तो..
एकदम से न जाने कहां चला गया?.. पर जाने दो!
अभी तो यहीं पर था!
मोड़ मुड़ते ही ध्रुव की नज़र जिस दृश्य पर पड़ी
उसके लिए वह कतई तैयार नहीं था।
?
और फिर-
इन दोनों की तो हमें बहुत दिनों से तलाश थी।
लेकिन हर कोई इनके खिलाफ रिपोर्ट लिखाने से डरता था।
तुमने इनको कैसे पकड़ा?
पर मैंने इनको नहीं पकड़ा, सर!
अरे! फिर और किसमें इतनी हिम्मत है जो इन गुंडों पर हाथ भी डाले?
इन्हें एक लड़की ने पकड़ा है, साब।
हां, साब! वरना वह फिर कहीं मिल गई तो...
आ-- आप जो भी पूछें, हम बताएंगे!
इनके अनुसार तो इन्होंने अपने बॉस को कभी देखा ही नहीं।
उससे ये ट्रांसमीटर पर सम्पर्क करते थे। अपने बॉस को ये महाराज कहते हैं।
इनका हिस्सा इनको डाक से मिल जाता है!
काम की बात सिर्फ यही पता चली कि..

...कमिश्नर राजन अब तक जिंदा हैं!
पापा जिंदा हैं! वाह!
हां! लेकिन वे कैसे हैं और कहां हैं, यह इनको नहीं पता!
खैर! इतना जानना ही बहुत है कि पापा जिंदा हैं! बाकी मैं पता लगा लूंगा!
इन दोनों गुंडों ने यह बताया कि उनको किस लड़की ने पकड़ा था?
हां! कोई अजीब पोशाक और सुनहरे बालों वाली लड़की थी। चंडिका या ऐसा ही कुछ नाम था!
चंडिका!
तुम उसे जानते हो?
हम सिर्फ एक बार मिले हैं, सर! जब पशु-मानवों से हमारा सामना हुआ था, तब!
अच्छा! तो ये वह लड़की है! पर वह वास्तव में है कौन?
भगवान ही जानता है, सर!
पुलिस-हेडक्वार्टर से बाहर निकलते समय ध्रुव के दिमाग में कई प्रश्न घुमड़ रहे थे।
चंडिका! अजीब बात है!
पिछली बार जब मैं मुसीबत में था, तो चंडिका पहली बार दिखाई पड़ी थी। और अब पापा मुसीबत में हैं, तो यह दोबारा दिखी!
आखिर यह चंडिका कौन हो सक... आह!
अपने ख्यालों में डूबा ध्रुव कहां जा रहा था, यह उसको खुद भी नहीं पता था, कि तभी एक झटका लगा-
?
उसने अपने आप को एक गोदाम में गिरा हुआ पाया।

और एक खतरनाक आवाज गूंजी।
चोट तो नहीं लगी, बच्चे?
कैक्टस!
तो तुम मुझे पहले से जानते हो? कैक्टस को कौन नहीं जानता? हा हा हा!
अगर मैं इस तक तेजी से पहुंच सकूं तो…
ध्रुव, कैक्टस की तरफ तेजी से लपका ही था कि-
एक गोली उसके माथे से रगड़ खाती हुई निकली।
हा हा! बेटे, अगर जरा सी भी कलाकारी दिखाई तो पूरे बदन में इतनी गोलियां घुस जाएंगी कि, वजन दुगना हो जाएगा।
मुझे वैसे भी किसी को गोली से मारने में मजा नहीं आता!
लाश मिलने पर पुलिस खामख्वाह ही शक करती है! उसके लिए एसिड से भरा यह टैंक है! हड्डियां तक गल जाती हैं इसमें।
हिस्स्स
वैसे तुम बोलो! कौन सी मौत पसंद है तुम को? हा हा हा!
अगर ये बंदूकें मुझपर न तनी होतीं तो मैं तुमको तुम्हारी मौत का रास्ता दिखा देता!
अच्छा रहने दो! अगर तुम गुस्सा होते हो तो हम तुमको नहीं मारेंगे!
अब हम तुम्हारा वही हाल करेंगे जो हमने तुम्हारे बाप का किया है!
पापा का?
अगर तुमने उनका बाल भी बांका किया, कैक्टस, तो मैं तुमको जिंदा नहीं छोड़ूंगा!
दूसरी तरफ - न जाने कहां पर जब कमिश्नर राजन की आंखें खुलीं -
यह होश में आ रहा है, युवराज!

कहिए, कमिश्नर साहब, कैसा महसूस कर रहे हैं आप? आज आप कई दिनो के बाद होश में आए हैं!
मैं...कहां हूं ?
आप दोस्तो के बीच में हैं! यह डॉ॰ थम्पन हैं! ये ही आप का इलाज कर रहे हैं!
मरीज से ज़्यादा बातें मत कीजिए! इनके इंजेक्शन का समय हो गया है!
कमिश्नर राजन को बदन में सुई घुसने का एहसास तक नहीं हुआ। क्योंकि इंजेक्शन लगते ही उनका आधा जगा दिमाग फिर से अंधेरे में डूबने लगा।
हाहाहा! शाबास,थम्पन! हेरोइन के ऐसे ही दस इंजेक्शनों के बाद यह नशे का गुलाम बन जाएगा! हाहाहा!
नशे का गुलाम, यानि हमारा गुलाम!...
क्योंकि इसको हेरोइन सिर्फ हम ही सप्लाई कर सकते हैं! हाहा!
उधर- गोदाम में फंसा ध्रुव भी ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर रहा था।
हाहा! अब हम तुझे भी उस नशे की लती बना देंगे जिससे छुटकारा सिर्फ मौत ही दिला सकती है!
जहरीली हेरोइन से भरा इंजेक्शन ध्रुव के बाजू से अब कुछ इंच ही दूर था।-
...और मैं अगर इंच भर भी हिला, तो मुझपर तनी बंदूकें पलभर में मेरा खात्मा कर देंगी!
...काश इस वक्त मैं किसी तरह लाइट गुल कर सकता तो...
तभी कमाल हो गया।-
ध्रुव के सोचते ही बिजली गुल हो गई और सारा गोदाम अंधेरे में डूब गया।
यह क्या हो गया?

यह इसी लड़के की चाल है! भून डालो साले को!
गोलियों के धमाके से क्षण भर के लिए गोदाम में उजाला हो गया।
लेकिन ध्रुव अब अपने स्थान पर नहीं था।
कहां गया?
गायब कहां? यहीं कहीं छिपा होगा! राका, बाहर जा कर देखो! शायद फ्यूज उड़ गया है!
और तुम सब इसको ढूंढो!
अगर ध्रुव यहां से जिन्दा बचकर निकल गया, तो मैं तुम सबकी खाल खिंचवा दूंगा!
बाहर पहुंच कर राका आश्चर्यचकित रह गया।
अरे! यहां तो मेन स्विच ऑफ है! किसने किया यह?
कौन!... तुम्हारा बिजली का बिल बहुत ज्यादा बढ़ गया था! इसीलिए बिजली काटनी पड़ी!
अंदर बाकी बदमाशों को भी ऐसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था।
संभल कर आना, यूका!
वह यहां कहीं पर भी छिपा हो...
हैं! यूका कहां गया?
और... और यह धड़ाम की आवाज कैसी है?
TAE
कैक्टस! कैक्टस!! आऽऽऽऽ!
ठक

यह गया दूसरा!
मुझे कौन बुला रहा था? और... और यह राका अब तक फ्यूज ठीक करके लौटा क्यों नहीं?
हल्की सी ठंड के बावजूद कैक्टस जैसे खतरनाक हत्यारे के माथे पर पसीने की बूंदें चमक रही थीं।
क्योंकि वह जानता था कि ध्रुव उसी की तरफ बढ़ रहा है। उसका ख्याल सही था।
लेकिन उसी वक्त कोई और ध्रुव की ओर लपक रहा था।
इसका अहसास ध्रुव को ऐन समय पर हुआ। वह तेजी से झुका, और एक बदन उसके ऊपर से उड़ता हुआ एसिड से भरे टैंक में जा गिरा।
तभी बत्तियां जल उठीं। और एसिड के टैंक में गलता सूका का शरीर साफ दिखने लगा।
ध्रुव भी यह भयावह दृश्य देखकर पलभर के लिए जड़ हो गया।
कैक्टस जैसे सधे हत्यारे को ऐसे ही मौके की तलाश थी।
धप
मेरा एक प्लान फेल हो गया तो क्या हुआ?...
मेरा दूसरा प्लान तैयार है!...
लेकिन उसके लिए पहले मुझको पिछले दरवाजे से भागना पड़ेगा!
कैक्टस बाहर की तरफ भागा।
और चंडिका से जा उलझा।
?

गोलियों की बौछार से बचने के लिए चंडिका एक तरफ लपकी -
चंडिका! तुम यहां पर कैसे आई?
ओह! तुम्हारे माथे पर तो गोली का घाव है! इससे खून भी बह रहा है!
चंडिका ने अपनी बेल्ट में से एक प्लास्टर निकाला।
यह कम से कम घाव को तो ढक कर रखेगा।
धन्यवाद! वैसे तुमने ठीक कहा, चंडिका। अब ज्यादा वक्त नहीं है! मैं कैक्टस के पीछे जाता हूं! तब तक तुम पुलिस को इस गोदाम के बारे में इन्फॉर्म कर दो!
लेकिन तुम कैक्टस को ढूंढोगे कहां?
कच्छ के रेगिस्तान में! मुझे पता है कि वह कहां पर गया है!
और यह असंभव है! क्योंकि रेगिस्तानों में हवा के बहाव से, रेत की पहाड़ियों के आकार बराबर बदलते रहते हैं!

इसका सिर्फ एक ही अर्थ हो सकता है कि वह रेत की पहाड़ी प्रकृति ने नहीं, बल्कि आदमी ने बनाई है! और जाहिर है कि उसका इस्तेमाल गैर-कानूनी कामों के लिए होता है!
मुझे पूरा विश्वास है कि वह पहाड़ी किसी न किसी रूप में तस्करों का अड्डा है!...
और अगर मेरा ख्याल सही है तो कैक्टस निश्चित रूप से भागकर यहीं आया होगा! ...
वह रही पहाड़ी!
कैक्टस भी यहीं कहीं आस पास...!
धांय
तभी खामोश रेगिस्तान एक गोली की आवाज से गूंज उठा।
यह जरूर कैक्टस ही होगा! लेकिन यह मुझपर सीधा निशाना नहीं लगा रहा है!...
बल्कि मुझे उन रेगिस्तानी झाड़ियों के झुंड की तरफ धकेलना चाह रहा है!
अब मुझको इसका खेल समझ में आ रहा है!
और अगले ही पल -
हैं! कहां चला गया? वह तो इन झाड़ियों की तरफ ही बढ़ रहा था!
अगर वह यहां से भी बचकर निकल गया तो महाराज मेरी खाल खिंचवा देंगे!

...तो अब तुम अपनी खाल खिंचवाने के लिए तैयार हो जाओ, कैक्टस!
हैं! यह मेरे पीछे कैसे आ गया? हाय!
अब मैं तुमको उन ... की तरफ ले जाऊंगा, कैक्टस...
हा हा हा! बोलना क्या है? तुम ने तो मेरा काम खुद ही कर दिया! एकदम ठीक वैसा, जैसा मैं चाहता था!
इस वक्त तुम्हारे पैरों के ठीक नीचे एक बारूदी सुरंग बिछी है!
और मेरी उंगली के एक इशारे पर, वह तुम्हारे चिथड़े उड़ा देगी!
कैक्टस की उंगली का दबाव घातक बटन पर बढ़ा।-
और एक कर्णभेदी धमाका हुआ-
जो कई किलोमीटर दूर तक दिखाई पड़ा।
यह धमाका कैसा है?
धड़ाम!
और एक घोड़ा भी इधर दौड़ता हुआ आ रहा है! पर... पर यह तो वही घोड़ा है जिससे ध्रुव यहां पर आया था!

चंडिका ने तुरंत घोड़े को वापस मोड़ा-
और जब पांच मिनट बाद वह घटनास्थल पर पहुंची-तो एक आकृति लड़खड़ाती हुई झाड़ियों से दूर जा रही थी।
यह तो वही हत्यारा है! कैक्टस। तो क्या ध्रुव...
चंडिका के दिल का डर बेबुनियाद नहीं था। पत्तों के बीच में पड़ी लाश का हर अंग जल जाने के बावजूद-
पोशाक और माथे पर लगा प्लास्टर इस बात की गवाही दे रहे थे-
कि यह लाश ध्रुव की ही है!
चंडिका की आंखों में अब खून के अलावा और कुछ नहीं था।
कैक्टस!
?
इससे पहले कि हत्यारा अगला कदम रख पाता-
सुनो... आऽऽऽऽ
ऊऽऽऽऽआ
लेकिन तभी-एक सधा हुआ निशाना घोड़े का माथा छेद गया।
?
कैक्टस ने अपनी मौत का फर्मान अपने हाथों से लिख दिया था।

और चांडिका का शरीर अपना संतुलन खोकर घोड़े से नीचे आ गिरा।
घड़ाक
और उसका दिमाग धीरे धीरे अंधेरे में डूबता चला गया।
तभी रेत की पहाड़ी में एक दरवाजा खुला।
कैक्टस! जल्दी आओ!
घड़
महाराज तो तुझे इनामों से लाद... आऊ!...
संभल कर, जग्गा!
याद रखना। यह वह प्राचीन सुरंग है जिस से अकबर के हमले के समय राजा जयमल बचकर भागे थे!...
यहां पर सांप बिच्छू भी उसी समय से रहते होंगे!
यह किस्सा मैं तेरे मुंह से हजारवीं बार सुन रहा हूं!
लेकिन तुम इतने खामोश क्यों हो, कैक्टस?
अबे अंधे! देखता नहीं कि विस्फोट की लपेट में आकर इसका मुंह भी जल गया है! फिर बेचारा बोलेगा कैसे?
ले! बातों-बातों में हम किले तक आ पहुंचे!
और वह रहा रंजीत।
रंजीत, युवराज कहां हैं?
लेबोरेट्री में!
तुम्हारा ही इंतजार कर रहे हैं!

और दूसरी तरफ - चंडिका को जब होश आया -
तुम चंडिका हो न? ध्रुव ने मुझे तुम्हारे बारे में बताया था! लेकिन तुम यहां तक कैसे पहुंचीं?
मैंने ध्रुव की बेल्ट में एक 'माइक्रो-ट्रांसमीटर' फिट कर दिया था!
मैं उसी के सिग्नलों का पीछा करते करते यहां तक पहुंच गई!
लेकिन...लेकिन...!
लेकिन क्या?
बेल्ट! ध्रुव की (सुबक) लाश पर से बेल्ट गायब है! देखिए!
ओह! कैक्टस ज़रूर उस बेल्ट को सबूत के तौर पर ले गया होगा, कि उसने ध्रुव को मार डाला है!
अगर ऐसा है तो हम सिग्नलों का पीछा करके ध्रुव के हत्यारों तक पहुंच सकते हैं!
यू आर राइट!
जल्दी आओ!
और किले में -
युवराज की जय हो!
क्या खबर लाए हो, कैक्टस?
समाचार बहुत ही शुभ है, युवराज!
दुश्मन कुत्ते की मौत मारा गया! इस वक्त तो उसकी मां भी उसकी लाश शायद ही पहचान पाए!
सच?
ध्रुव सच में मर गया!
शाबास, कैक्टस, शाबास! हम पूरी घटना तुम्हारे मुंह से सुनना चाहते हैं!

बीच में बोलने के लिए माफी चाहता हूं, युवराज!
दरअसल, जिस विस्फोट से ध्रुव मारा गया, कैक्टस भी उसी विस्फोट की चपेट में आ गया था!
विस्फोट से इसका सारा मुंह जल गया है! इसी लिए यह बोलने में असमर्थ है!
अं...न...क...ह...
हम तुम्हारे ठीक होने की प्रतीक्षा करेंगे, कैक्टस!
अच्छा! अब हमारी लैब में काफी हेरोइन तैयार हो गई है! तुम आज फिर किले से माल लेकर, सुरंग के रास्ते से रेगिस्तान जाओगे।
और फिर रेगिस्तान से सलमेर की तरफ आने की कोशिश करोगे!
ताकि पुलिस को यह शक बना रहे, कि यह सारी तस्करी सीमा पार से होती है!...
और हम सलमेर में बैठे बैठे हेरोइन को भारत के कोने-कोने में पहुंचाते रहें!
हाहा हा!
जो आज्ञा, युवराज!
आओ, कैक्टस! आज हम तुमसे बहुत बहुत खुश हैं!
तुमने आज हमारे रास्ते का सबसे बड़ा कांटा दूर कर दिया!
इसीलिए हम एक दूसरे कांटे को निकालने का श्रेय भी तुम को ही देंगे!
आओ हमारे साथ!
देखो! वह रहा कांटा!
और यह है कांटा निकालने का औजार! पोटेशियम सायनाइड से भरा इंजेक्शन!
दूसरी तरफ -
ये सिग्नल उस पुराने किले से आ रहे हैं, सर!
असंभव! वहां पर तो कोई भी नहीं रहता! ..या रहता है?
नाथन, जीप और तेज चलाओ!

उधर- कमिश्नर राजन की तरफ मौत बढ़ रही थी और उनको इसका अहसास तक नहीं था।
इंजेक्शन की सुई बदन में घुसने ही वाली थी।
वि. तर्गा-
युवराज! युवराज!! बाहर पुलिस आ गई है!
क्या!? पुलिस यहां तक कैसे आ गई?
जाओ! उन्हे रोको!
तब तक, जब तक हम यहाँ के सारे सबूत नष्ट न कर दें!
लेकिन पुलिस फोर्स का अचानक हमला जबरदस्त और तेज था।
चंद मिनटों में ही पुलिस ने पूरे किले को अपने कब्जे में ले लिया।
प्रयोगशाला- जहां से जहरीली हेरोइन बन कर पूरे देश में पहुचती थी।
पुरानी सुरंग-
?
नशीले पदार्थों का गोदाम-
और युवराज-
कमिश्नर साहब! और कैक्टस!
खबरदार! हिलने की कोशिश कोई न करे!
तुम भी नहीं, डिप्टी कमिश्नर! इस सीरींज में पोटेशियम सायनाइड भरा है!
अगर तुमने कोई हरकत की तो कमिश्नर राजन को जिंदा नहीं पाओगे!

और अब मेरी बात बड़े ध्यान से सुनो!
मैं यहां से जा रहा हूं! मेरा वफादार सेवक कैक्टस अगले आधे घंटे तक सीरिंज लिए यहीं तैनात रहेगा!
इस बीच अगर किसी ने मुझे रोकने की कोशिश की...
तो मैं इस ट्रांसमीटर पर सिग्नल भेज दूंगा, और फिर कमिश्नर के बदन में सुई घुस जाएगी!
वाह! यानि तुम बच कर निकल जाओगे, और बेचारा कैक्टस पकड़ा जाएगा!
कैक्टस, यह तुम्हारे साथ धोखा है!
हा हा! स्वामिभक्त कैक्टस पर तुम्हारी बातों का कोई असर...
...नहीं?...
लेकिन कैक्टस अब सारी बात समझ गया था।
क...कैक्टस, पागल हो गए हो क्या?
बचाओ! बचाओ!!
बचाओ!
मुझे इससे बचाओ! अगर यह इंजेक्शन गलती से भी मुझे लग गया तो...
युवराज की गिरफ्तारी होने के साथ ही गैंग का हर सदस्य पुलिस की गिरफ्त में था।
हमें अहसास है, कैक्टस, कि ध्रुव की हत्या तुमने अपने मालिकों के इशारे पर की है!
अगर तुम सरकारी गवाह बन जाओ,...
तो मैं कोशिश करूंगा कि तुमको कम से कम सजा मिले!
लेकिन ध्रुव की हत्या हुई कब?
ध्रुव!!
तुम जिंदा हो?

तो वह लाश किस की थी?
वह लाश कैक्टस की है!...
...दरअसल जैसे ही उसने रिमोट-कंट्रोल का बटन दबाया...
मैं अपनी जगह से उछला और मेरा वार कैक्टस की पीठ पर पड़ा।
धड़ाक
आाह
कैक्टस बम के ठीक ऊपर आ गिरा।
और ठीक उसी वक्त, बम फट गया।
धड़ाम
धमाके का असर मुझपर ज्यादा नहीं हुआ. क्योंकि बम कैक्टस के शरीर से पूरी तरह ढका हुआ था।
तभी मुझको रूप बदलने का आइडिया आया। मेरी और कैक्टस की कद काठी लगभग एक सी है। इसीलिए मैंने उसको अपने कपड़े पहनाकर, उसके कपड़े खुद पहन लिए।
चेहरा बुरी तरह से जल जाने के कारण कोई लाश को पहचान नहीं
हल्के मेकअप का सामान मैं हमेशा अपने बूट और बेल्ट में रखता हूं। उसी की मदद से मैंने अपना चेहरा कैक्टस जैसा बना लिया। बाकी कसर कालिख और धूल ने पूरी कर दी।
अब चलूं उस पहाड़ी की तरफ!
चलते चलते मैंने अपने माथे का प्लास्टर उतार कर कैक्टस के माथे पर चिपका दिया।
ओह! तुम्हारे इस कारनामे ने तो मुझे भी बेवकूफ बना दिया!
लेकिन मेरी बेल्ट पर बिना बताए एक ट्रांसमीटर लगाकर तुमने भी तो मुझे मूर्ख बनाया था!
यह मैंने तब देखा जब मैं अपनी बेल्ट कैक्टस की लाश को पहना रहा था!

तब मैं जानबूझ कर बेल्ट को अपने साथ लेता आया, ताकि इसकी मदद से लिस इन लहू के प्यासों के अड्डे तक पहुंच सके!
और मैं अब तक यह समझ रहा था कि यह सारी तस्करी सीमा-पार से होती है!
यह सब इनकी चाल थी! ताकि पुलिस और सुरक्षा बलों का सारा ध्यान सीमा पर ही लगा रहे!
और ये इस किले से बेरोकटोक तस्करी कर सकें!
इसके लिए ये बीच-बीच में ऐसा नाटक भी करते थे मानो ये हेरोइन वाकई सीमा पार से आ रही है!
और फिर पुलिस को चकमा देकर ये उसी सुरंग के रास्ते से किले तक आ जाते थे, जिससे मुझे लाया गया!
अरे! यह चंडिका कहां चली गई?
पता नहीं! अभी तो यहीं थी!
पर एक बात है, ध्रुव! हमें यह कामयाबी सिर्फ तुम्हारी वजह से मिली है!
लेकिन अधूरी! गिरोह का सरदार महाराज अभी भी पुलिस के चंगुल से बाहर है!
उसकी चिंता मत करो!
वह हम उगलवा लेंगे!
जहां हमने 'थर्ड डिग्री' का इस्तेमाल किया, ये सारे के सारे टेपरिकार्ड की तरह चालू हो जाएंगे!
उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी!
आप मेरे साथ चलिए!
पर कहां?

आइए तो!
लेकिन पहले हम रास्ते में एक आदमी को यह खुश खबरी देते चलेंगे!
किस को, भाई?
आखिर तुम जाना कहां चाहते हो?
उसके पास!
भीखामल!
अरे, बेटा तुम? इ... इस पोशाक में!
हां, बाबा! आपको यह जानकर खुशी होगी कि मैंने आपके बेटे की मौत का बदला ले लिया!
क्या?
हां, बाबा! अब पूरा गैंग हमारे कब्जे में है!
पुलिस ने उन सबकी खूब धुनाई की!...
और उस गिरोह के मुखिया युवराज की तो हमने मार-मार कर चमड़ी उधेड़ दी!...
क्या?
हां! हमने उसकी उंगलियों के नाखून उखाड़ लिए! चाकू से उसकी खाल काटकर उसमें नमक भर दिया! तब कहीं जाकर...
हा ऽऽ ऽऽ!

यह तो बेहोश हो गया!
हां, सर! बेचारा अपने बेटे पर काल्पनिक अत्याचारों का वर्णन सुन नहीं पाया!
अपने बेटे पर? यानि... यानि...!
हां, सर, यह भीखामल ही 'महाराज' है! युवराज का पिता और इस गैंग का बॉस!
फिर बाद में -
भीखामल ने कबूल कर लिया है कि वही इस गिरोह का सरगना है!
लेकिन तुमने समझा कैसे कि भीखामल ही महाराज है?
युवराज और भीखामल के शक्लों की समानता ही यह बताने के लिए काफी थी कि दोनों पिता-पुत्र हैं!..
और 'युवराज' का पिता ही 'महाराज' हो सकता था! यानि गैंग का बॉस!
अपनी इसी थ्योरी को परखने के लिए मैं भीखामल के पास गया था!
और मुझे खुशी है कि मेरा ख्याल सही निकला!
अपने बेटे के मरने की झूठी कहानी, और अपनी संपत्ति ट्रस्ट को दान करने का नाटक, भीखामल ने पुलिस का मुखबिर बनने के लिए रचा था! वक्त-वक्त पर अपना ही माल पकड़वा कर यह अपने अच्छे मुखबिर होने का प्रमाण भी देता रहता था!
इस तरह से इसको पुलिस-कार्यवाही की पूरी सूचना भी पहले से ही मिल जाया करती थीं!
तुमने वास्तव में कमाल कर दिया, ध्रुव!
चलो! अब चूंकि इस क्षेत्र से तस्करों का आतंक समाप्त हो गया है, इसीलिए अब मैं भी वापस राज-नगर जा सकता हूं!
नए कमिश्नर इस एरिया का चार्ज लेने आज शाम को ही आ रहे हैं!

और फिर-
राजनगर में-
अरे! आपके सिर पर यह पट्टी क्यों बंधी है?
कुछ नहीं! एक मामूली सा एक्सीडेंट हो गया था! पर अब तो घाव भी भर गया है!
ओह! शुक्र है भगवान का!
और तुम्हारे सिर का घाव कैसा है, भइया?
क्या पूछा?
अरे रेरेरेरे! यह मैं क्या कह गई?
मेरे सिर का घाव तो बालों से ढका हुआ है! और अभी तक मैंने यहां पर किसी को इस घाव के बारे में बताया भी नहीं है! फिर इसको कैसे पता चला?
कहीं यही तो चंडिका नहीं...?
मम्मी, बचाओ! चूहा!
हा हा हा हा हा!
अरे! इसमें इतना हंसने की क्या बात है?
चूहा बहुत खतरनाक जानवर होता है!
अरे, मैं तुझपर नहीं, अपनी सोच पर हंस रहा हूं!
मैं भी कितना गधा हूं!
यह डरपोक किसी जन्म में बहादुर चंडिका हो ही नहीं सकती!
समाप्त